नॉर्थ वेल्स नाटकीय और खूबसूरत लैंड स्केप नजारों से भरा है, जो पुराने जमाने की याद दिलाते हैं। इस क्षेत्र की विशाल झीलों के चारों तरफ नजर आने वाले पथरीले पहाड़, चारागाह भूमि, पत्थर के कासल आदि देखकर लगता है मानो यह जगह लॉर्ड ऑफ द रिंग्स या गेम ऑफ थ्रोन्स जैसी किसी महागाथा से निकली है। यहाँ पर ऐसी ही एक बेहद रोचक इमारत है, सिववान चर्च, जिसे ''लिटिल चर्च इन द सी'' भी कहते हैं। मौजूदा चर्च 12 वीं सदी का है। माना जाता है कि जहां यह चर्च है, वहां सातवीं सदी से ही किसी न किसी रुप में चर्च विद्यमान था। वर्तमान चर्च सेंट कैविन (आयरिश भाषा में सिववान) के लिए बनाया गया था। उन्होंने आयरिश सी के पार आयरलैण्ड में एक मठ बनाया था। सिववान चर्च का कई बार नवीनीकरण और पुनर्निर्माण हो चुका है। चर्च की दक्षिणी दीवार का एक भाग ही बचा है जो 12 वीं सदी में बने चर्च का अवशेष है। सन् 1800 में तो चर्च को लगभग पूरी तरह से दोबारा बनाया गया था। लेकिन लम्बे समय तक उपेक्षित रहने के कारण चर्च एकदम जर्जर हो चुका था और इसकी नींव भी कमजोर हो गई थी। फिर एक स्थानीय आर्किटैक्ट हैरल्ड ह्यूज ने चर्च की मरम्मत की मुहिम शुरु की और फंड एकत्रित किया और वर्ष 1893 में चर्च का पूरी तरह नया निर्माण हुआ। पूर्व में यह चर्च सिववान और चाइना के बंदरगाहों के बीच एक प्रायद्वीप पर स्थित था। पर सदियों के लगातार क्षरण की वजह से चर्च शेष प्रायद्वीप से अलग हो गया और अब अपने स्वयं के एक छोटे से द्वीप पर स्थित है। अब इसे सिर्फ तब देखा जा सकता है जब समुद्र में भाटा आता है।

न्यू ईयर सैलिब्रेशन से लौटते वक्त युवती को टक्कर मारी, चार किलोमीटर तक घसीटते रहे

दिल्ली के कांझावाला क्षेत्र की घटनाः लहूलूहान युवती सड़क पर पड़ी रही और दम तोड़ दिया, उसके कपड़े तक फट चुके थे

नई दिल्ली, 1 जनवरी। नए साल के जश्न के बीच राजधानी दिल्ली से दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दिल्ली के कंझावला इलाके में कार सवार कुछ युवकों ने एक युवती को टक्कर मार दी। हादसे के बाद युवक कार लेकर भागने लगे। लड़की कार के नीचे फंसी रही और करीब 4 किलोमीटर तक सड़क पर घिसटती रही। उसके कपड़े तक फट चुके थे। लहूलूहान युवती सड़क पर पड़ी रही और दम तोड़ दिया।

आउटर दिल्ली के डी.जी.पी. हरेन्द्र सिंह ने बताया कि शनिवार-रविवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे पुलिस को खबर मिली कि कंझावला इलाके में एक लड़की सड़क किनारे बिना कपड़ों के पड़ी है। खबर मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची तो

- **पुलिस ने मामले में 5 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। कार भी जब्त कर ली गई है।**

लड़की का शव पड़ा दिखा। पुलिस ने मामले में 5 युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। कार भी जब्त कर ली गई है।

शुरुआती जांच के मुताबिक, 23 साल की लड़की शादी व अन्य इवेंट में पार्ट टाइम काम करती थी। शनिवार-रविवार की रात वह ऐसे ही एक फंक्शन से लौट रही थी। वह स्कूटी से अपने घर जा रही थी। उसी दौरान आरोपी पांचों युवक भी अपनी कार से उसी रास्ते पर थे।

रिपोर्ट के मुताबिक, कार से स्कूटी का एक्सीडेंट हो गया और युवती कार के नीचे फंस गई। युवक इसके बाद तेजी से भागे और लड़की सड़क पर करीब 4 किलोमीटर तक घिसटती हुई सुल्तानपुर से कंझावला इलाके तक पहुंच गई। वह बीच सड़क पर तड़पती पड़ी रही। उसके कपड़े भी फट चुके थे। पुलिस के आने तक उसकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस ने पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। कार को भी कब्जे में ले लिया है। आरोपियों के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का केस दर्ज किया गया है। आरोपियों का मेडिकल टैस्ट कराया जा रहा है, जिससे पता चले कि क्या वह नशे में थे। फिलहाल घटना से जुड़ा कोई सी.सी.टी.वी. पुलिस के हाथ नहीं लगा है।

डी.जी.पी. हरेन्द्र सिंह ने आरोपियों के मुताबिक बताया कि, उनकी कार पीड़िता की स्कूटी के साथ दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी, उसके बाद वे आगे भागने लगे। लेकिन वे इस बात से बिल्कुल अनजान थे कि उनकी कार में स्कूटी समेत लड़की फंस गई है और सड़क पर कई किलोमीटर तक घसीटकर ले आए हैं। इस मामले पर दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाती मालीवाल ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा- दिल्ली के कंझावला में एक लड़की की नग्न अवस्था में लाश मिली, बताया जा रहा है कि कुछ लड़कों ने नशे की हालत में गाड़ी से उसकी स्कूटी को टक्कर मारी और उसे कई किलोमीटर तक घसीटा। ये मामला बेहद भयानक है, मैं दिल्ली पुलिस को हाजिरी समन जारी कर रही हूँ। पूरा सच सामने आना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने न्यू ईयर को लेकर दिल्ली पुलिस की तैयारियों पर भी सवाल उठाए हैं।

इस्तीफा प्रकरण में मुख्यमंत्री खेमे की स्थिति कमजोर हुई है!

भले ही दावा 91 विधायकों के इस्तीफे का हो, लेकिन असल संख्या 70 के आसपास ही थी

जयपुर, 1 जनवरी (का.प्र.)। राजस्थान में 25 सितंबर को कांग्रेस विधायक दल की बैठक का बहिष्कार कर समानांतर बैठक बुलाने के बाद विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सी.पी. जोशी के पास जाकर इस्तीफा देने वाले विधायकों को लेकर कहा जा रहा है कि, सभी के इस्तीफे वापस हो रहे हैं। इस पूरी कहानी के पीछे अब जो बात निकल कर सामने आ रही है, वह यह है कि, इस पूरे प्रकरण में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमा मजबूत होने के बजाय कमजोर नजर आया है।

इसका कारण यह है कि, जितने विधायकों के इस्तीफे दिए जाने की बात प्रचारित की गई, वह बिल्कुल भी सही नहीं है। दरअसल इस्तीफा प्रकरण के बाद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत खेमे की ओर से जो दावा किया जा रहा था कि, उनके पास 100 से ज्यादा विधायकों का समर्थन है, वह दावा अब फेल हो चुका है।

दरअसल 25 सितंबर से लगातार यह बात प्रचारित की जा रही है कि, 91 विधायकों ने उस दिन इस्तीफा दिया था, लेकिन दूसरी ओर तथ्य यह है कि, राजस्थान विधानसभा में कांग्रेस के 108, भाजपा के 71, 13 निर्दलीय, तीन आरएलपी, दो सीपीएम, दो बीटीपी और एक आरएलडी का विधायक है। अब इनमें से ना तो बीजेपी के विधायक इस्तीफा देने गए, ना आरएलपी के, ना सीपीएम और बीटीपी के। यानी

- **इन 70 में से भी कई विधायकों ने इस्तीफे के बाद कहा था कि, उन्हें इस्तीफा दिलाए जाने की जानकारी नहीं थी और वह आलाकमान के फैसले के साथ हैं।**
- **यही कारण रहा कि, 3 महीने से ज्यादा समय तक इस्तीफा देने वाले विधायकों की वास्तविक संख्या छुपाई जाती रही।**
- **इस्तीफे भले ही वापस ले लिए गए हों, लेकिन विपक्ष के सवाल फिर भी सरकार को डरा रहे हैं।**

यह सारी संख्या हटा दी जाए तो बाकी सदस्यों की संख्या 122 बचती है। इन 122 में से विधायक दल की बैठक में मुख्यमंत्री निवास पर 25 सितंबर को खुद मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, सचिन पायलट डॉ रघु शर्मा, डॉ जितेंद्र सिंह, परसराम मोरदिया, रीटा सिंह, दिव्या मदेरणा, राजेंद्र गुढ़ा, खिलाड़ी बैरवा, हरीश मीणा, इंद्राज गुर्जर, राकेश पारीक, दीपेंद्र सिंह शेखावत, मुकेश भाकर, अमर सिंह जाटव, रामनिवास गावड़िया, वेदप्रकाश सोलंकी, सुरेश मोदी, मुरारी मीणा, जी.आर.खटाणा, हेमाराम चौधरी, बृजेंद्र ओला सहित करीब 30 से ज्यादा विधायक मौजूद थे। ऐसे में बाकी संख्या बचती है 92 की। इनमें से 8 से 10 विधायक ऐसे हैं, जो ना तो मुख्यमंत्री निवास पर मौजूद थे और ना ही समानान्तर बुलाई गई बैठक में शांति धारीवाल के निवास पर। ऐसे में यह 10 विधायक भी इस्तीफा देने नहीं गए, तो यह संख्या बचकर रह जाती है 82 की। अब यहां यह भी तय नहीं है कि जितने लोग शांति धारीवाल के निवास पर मौजूद थे, उन सभी ने व्यक्तिगत रूप से विधानसभा अध्यक्ष डॉ.सी.पी. जोशी को इस्तीफा दिया हो।

वहीं 13 निर्दलीय विधायकों में से आधे निर्दलीय भी विधानसभा अध्यक्ष के निवास पर नहीं पहुंचे थे। ऐसे में यह संख्या घटकर 70 के आसपास ही रह जाती है।

अब यह मान भी लिया जाए कि इन सभी 70 के लगभग विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष को अपना इस्तीफा सौंपा था, तो भी एक बात तो तय हो जाती है कि, मुख्यमंत्री खेमे की ओर से जिन 100 विधायकों के समर्थन का बार-बार दावा किया जा रहा था, वह दावा अब स्वतः ही 25 सितंबर के घटनाक्रम के बाद समाप्त हो चुका है। वैसे भी 25 सितंबर को इस्तीफा प्रकरण के बाद रात को एक मंत्री ने भी अनौपचारिक रूप से यही कहा था कि, इस्तीफा देने वालों की संख्या 70 के आस पास ही है। वहीं यह भी तय है कि इस्तीफा देने वाले कई विधायकों, जिनमें इंदिरा मीणा, गंगा देवी सहित अन्य विधायक शामिल हैं, कह चुके थे कि उन्हें जानकारी नहीं थी कि इस्तीफे दिलवाए जा रहे हैं। ऐसी स्थिति में मुख्यमंत्री खेमे के विधायकों की संख्या 70 से भी कम हो जाती है।

वही महत्वपूर्ण बात यह भी है कि इस्तीफा देने के बाद एक दर्जन से ज्यादा विधायकों ने खुले आम यह कहा था कि जो भी फैसला कांग्रेस आलाकमान करेगा, वह उसके साथ हैं। इस बात को माना जाए तो फिर जो ताकत मुख्यमंत्री खेमे की बताई जाती है वह दरअसल कांग्रेस आलाकमान की ताकत है।

वैसे भी कई बार जुलाई 2020 के घटनाक्रम का हवाला देकर कहा जाता है कि मुख्यमंत्री के पास में 100 से ज्यादा विधायकों का समर्थन हासिल है, लेकिन उस समय की और आज की परिस्थितियों में रात-दिन का फर्क आ चुका है और जो विधायक उस समय मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नेतृत्व वाली बाड़ाबंदी में बैठे थे, उनमें से कई मंत्री और विधायक इस समय सचिन पायलट को मुख्यमंत्री बनाने को लेकर मुखर नजर आ रहे हैं। जिनमें राजेंद्र गुढ़ा, खिलाड़ी लाल बैरवा प्रमुख रूप से शामिल है।

ऐसे में 2 जुलाई को राजस्थान हाईकोर्ट में उप नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ की याचिका पर होने वाली सुनवाई से पहले जिस तरह से सभी विधायकों से इस्तीफे वापस करवाए गए हैं। उससे तय हो गया है कि यदि इस्तीफे वापस नहीं होते तो सरकार के पक्ष को आशंका थी कि हाईकोर्ट इस्तीफा प्रकरण में स्टेटस पूछ सकता है, या कह सकता है कि कितने विधायकों ने इस्तीफे दिए और इतने दिनों तक उनको मंजूर क्यों नहीं किया गया। यह आशंका सही साबित होने पर सरकार बहुत अटपटी स्थिति में आ सकती थी।

वहीं दूसरी ओर आगामी विधानसभा सत्र में भले ही सरकार की ओर से कहा जाए कि सभी विधायकों ने इस्तीफे वापस ले लिए हैं, लेकिन फिर भी प्रतिपक्ष की ओर से यह सवाल तो पूछा ही जाएगा कि क्या वास्तव में इस्तीफे दिए गए थे और यदि इस बात को स्वीकार किया जाता है, तो फिर यह सवाल उठेगा कि विधानसभा अध्यक्ष की ओर से 3 महीने से ज्यादा होने के बावजूद इस्तीफे स्वीकार क्यों नहीं किए गए।

हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह पर यौन उत्पीड़न का आरोप

एफ.आई.आर दर्ज होने के बाद मंत्री ने पद से इस्तीफा दिया

नई दिल्ली, 1 जनवरी। हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह पर छेड़छाड़ और मानसिक प्रताड़ना का आरोप लगे हैं तथा इस मामले में हरियाणा पुलिस ने एफ.आई.आर. भी दर्ज कर ली है। मंत्री पर आरोप लगाने वाली जूनियर एथलेटिक्स कोच ने रविवार को राज्य के गृह मंत्री अनिल विज से मुलाकात की और कहा कि अगर खेल मंत्री को गिरफ्तार किया जाता है तो ऐसी और भी महिलाएं सामने आएंगी जिनका उत्पीड़न किया गया है।

कोच ने आरोप लगाते हुए कहा कि उसने संदीप सिंह को कई बार मना किया, लेकिन उसकी हरकतें जारी रहीं। आखिर कब तक कोई इंसान चुप रहेगा?

कोच ने कहा कि खेल मंत्री ने फरवरी से उन्हें बार-बार परेशान किया। उन्होंने कहा, ''एक समय आता है जब आपको अपनी आवाज उठानी पड़ती है। खेल मंत्री ने आधिकारिक तौर पर मुझे मानसिक रूप से परेशान किया है।'' उन्होंने कहा कि उनकी शिकायत के बाद खेल मंत्री के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उन्हें विश्वास है कि उन्हें न्याय मिलेगा।

हरियाणा के गृह मंत्री अनिल विज ने शिकायतकर्ता से मुलाकात के बाद कहा कि वे खेल मंत्री और मुख्यमंत्री से भी बात करेंगे और इस मामले की पूरी निष्पक्षता से जांच कराएंगे।

चंडीगढ़ पुलिस ने शुक्रवार को जूनियर एथलेटिक्स कोच की शिकायत के आधार पर हरियाणा के खेल मंत्री संदीप सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न और आपराधिक धमकी का मामला दर्ज किया है। मंत्री ने पहले तो आरोपों को निराधार बताते हुए खारिज कर दिया था और स्वतंत्र जांच की मांग की थी। मगर, मुकदमा दर्ज होने के बाद खेल मंत्री के पद से इस्तीफा दे दिया।

आज संदीप सिंह ने अपने इस्तीफे की घोषणा करते हुए कहा, ''मेरी छवि खराब करने का प्रयास किया जा रहा

- **एथलैटिक्स कोच ने आरोप लगाते हुए कहा कि, उन्होंने मंत्री संदीप सिंह को कई बार मना किया, लेकिन उनकी हरकतें जारी रहीं। आखिर कब तक कोई इंसान चुप रहेगा?**
- **इधर खेल मंत्री संदीप सिंह का कहना है कि, उन्हें इस मामले में जबरन फंसाया जा रहा है।**

है। मुझे उम्मीद है कि मुझ पर लगाए गए झूठे आरोपों की गहन जांच होगी। जांच रिपोर्ट आने तक मैं मुख्यमंत्री को खेल विभाग की जिम्मेदारी सौंपता हूं।''

जूनियर एथलेटिक्स कोच ने विपक्षी पार्टी इंडियन नेशनल लोकदल (आई.एन.एल.डी.) के कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस की थी और राज्य सरकार से सुरक्षा की मांग करते हुए कहा था कि मनोहर लाल खट्टर सरकार संदीप सिंह को तुरंत बर्खास्त करे और मामले की जांच के लिए एक विशेष जांच दल का गठन करे।

जूनियर एथलेटिक्स कोच ने कहा कि संदीप सिंह ने पहले उसे एक जिम में देखा और फिर इंस्टाग्राम पर उससे संपर्क किया। बाद में मंत्री उससे मिलने के लिए जोर देने लगे। कोच ने कहा, ''संदीप सिंह ने मुझे इंस्टाग्राम पर मैसेज किया और कहा कि मेरा राष्ट्रीय खेल प्रमाणपत्र लंबित है और इस संबंध में वह मिलना चाहते हैं।''

महिला ने कहा कि, इस पर वह उनके आवास-सह-कैंप कार्यालय में अपने दस्तावेजों के साथ मिलने के लिए गईं। आरोप है कि जब वह वहां गईं तो मंत्री ने यौन दुराचार किया।

दिसम्बर में जी.एस.टी कलैक्शन 1.49 लाख करोड़ रु. के पार हुआ

नई दिल्ली, 1 जनवरी (वार्ता)। माल एवं सेवाकर कर (जी.एस.टी.) का दिसंबर 2022 में सकल राजस्व संग्रह 1,49,507 करोड़ रुपये रहा है जो दिसंबर 2021 के जी.एस.टी. राजस्व 1,29,780 करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है। यह लगातार 10 वां महीना है जब जी.एस.टी. राजस्व संग्रह 1.40 लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है। वित्त मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में केंद्रीय जी.एस.टी. (सी.जी.एस.टी.) 26,711 करोड़ रुपये, राज्य जी.एस. टी. (एस.जी.एस.टी.) 33,357 करोड़ रुपये, एकीकृत जी.एस.टी. (आई.जी. एस.

- **दिसम्बर लगातार 10वां महीना है, जब जी.एस.टी. कलैक्शन 1.40 लाख करोड़ रु. से अधिक रहा है।**
- **वर्तमान जी.एस.टी. कलैक्शन दिसंबर 2021 के जी.एस.टी. राजस्व 1,29,780 करोड़ रुपये की तुलना में 15 प्रतिशत अधिक है।**

टी.) 78,434 करोड़ रुपये जिसमें आयात पर संग्रहित 40263 करोड़ रुपये का कर भी शामिल है। उपकर 11,005 करोड़ रुपये रहा है जिसमें आयातित वस्तुओं संग्रहित कर 850 करोड़ रुपये भी शामिल है। मंत्रालय ने बताया कि केंद्र ने नियमित निपटान के रूप में आई.जी. एस. टी. से सी.जी.एस.टी. में 36,669 करोड़ रुपये और एस.जी.एस.टी. में 31,094 करोड़ रुपये का आवंटन किया है। दिसंबर 2022 में नियमित निपटान के बाद केंद्र और राज्यों का कुल जी.एस.टी. राजस्व क्रमशः सी.जी.एस.टी. 63,380 करोड़ रु. और एस.जी.एस.टी. 64451 करोड़ रुपये रहा।

सबसे पहले ऑस्ट्रेलिया के करीब एक आइलैण्ड पर मनता है न्यू ईयर का जश्न

नई दिल्ली, 1 जनवरी (वार्ता)। दुनिया ने नव वर्ष 2023 का स्वागत शुरू कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के पास प्रशांत क्षेत्र के किरिबाती गणराज्य के किरीतिमाती द्वीप के लोगों का नये साल का जश्न ग्रीनविच मध्याह्न समय (जी.एम.टी.) के अनुसार सुबह 10 बजे (भारतीय समयानुसार अपराह्न 3.30 बजे) शुरू हो गया।

इसके साथ ही न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया के लोगों ने भी नव वर्ष का धूमधाम से स्वागत शुरू कर दिया है। न्यूजीलैंड के ऑकलैंड में आतिशबाज़ी और लेज़र शो से नये साल का अभिनंदन किया गया। न्यूजीलैंड से पहले टोंगा

- **भारतीय समयानुसार 31 दिसम्बर की दोपहर तीन बजे ही किरीमाती आइलैण्ड में न्यू ईयर का आगमन हो गया।**

और सामोआ में भी पहली जनवरी पर नव वर्ष के आगमन की आतिशबाज़ी होने लगी।

धरती की घूर्णन गति के कारण धरा पर अलग-अलग जगह, सूर्योदय का समय अलग-अलग है। टोंगा, समोआ और किरिबाती जैसी जगहों पर जहां साल का प्रथम दिन सबसे पहले शुरू होता है, वहीं अमेरिका के पश्चिमी तट पर स्थित निर्जन द्वीप हाउलैंड और बेकर आईलैंड में नव वर्ष का पहला क्षण उस समय आयेगा जब भारत में रविवार को शाम साढ़े पांच बज रहे होंगे। भारत में, और खासकर मुंबई, दिल्ली, चेन्नई और कोलकाता जैसे महानगरों में नव वर्ष के स्वागत के लिये होटलों, क्लबों और बाज़ारों में रौनक बढ़ गयी। शाम से ही ऐसी जगहों पर विशेष रोशनी के इंतजाम दिखने लगे। शिमला, मसूरी और दार्जिलिंग जैसे पर्वतीय सैरगाहों पर भी बड़ी संख्या में लोग 2023 का स्वागत करने के लिये पहुंचे।

पांच युवाओं...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सुगनाराम मेघवाल की थी। हादसे में अशोक पुत्र रामकुमार आचार्य गंभीर घायल हो गया।

गांव के सरपंच प्रतिनिधि आदराम मुहाल ने बताया कि सभी युवक आपस में दोस्त थे। सभी की उम्र तीस वर्ष के आसपास थी। एक साथ गांव के पांच युवाओं की मौत से पूरे गांव में मातम छा गया है। सभी गांव वाले साल के पहले दिन से नए नए अरमानों को लेकर सोए थे और सुबह ही जब गांव में पांच युवकों की मौत की खबर मिली तो पूरा गांव सदमे में आ गया। हमारे गांव में किसी ने नहीं सोचा था की नया साल इतनी दर्दनाक खबर लेकर आयेगा जिसको पूरा गांव कभी भुला नहीं पायेगा। सड़क हादसे में मारे गए पांचों युवकों के शव पूरी रात सीएचसी पल्लू की मोर्चरी में रखे गए। सुबह होते ही गांव के प्रमुख व्यक्तियों और परिजनों ने शवों को पल्लू से लिया और गांव पहुंचे। शवों के गांव में पहुंचने तक कोहराम मच गया। गांव में ई-मित्र संचालक आसीन खां ने बताया कि दानाराम पुत्र बीरबल मीणा उम्र लगभग 38 साल और नरेश पुत्र सुगनाराम 33 साल के दो-दो बच्चे हैं।

हल्दीघाटी की रज का तिलक कर डॉ. पूनिया व अर्जुनराम मेघवाल ने जन आक्रोश सभा का शंखनाद किया

स्वाभिमानी धरती हल्दीघाटी की मिट्टी प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में लेकर जाएंगे, 2023 में कांग्रेस सरकार को हमेशा के लिए विदा करेंगे : डॉ. पूनिया

जयपुर/उदयपुर/राजसमंद, 1 जनवरी (का.सं.)। वीरता एवं शौर्य की धरती मेवाड़ में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया और केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने मिशन-2023 को लेकर हल्दीघाटी रक्ततलाई, वीर शिरोमणी महाराणा प्रताप को नमन कर और हल्दीघाटी की रज का तिलक कर जन आक्रोश सभा का शंखनाद किया।

डॉ. सतीश पूनिया ने मेवाड़ संस्थापक बप्पा रावल को नमन और भगवान एकलिंगनाथ महादेव की पूजा-अर्चना कर हल्दीघाटी में जन आक्रोश सभा का आगाज किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश की खुशहाली एवं तरक्की की कामना की। वहीं शाम को नाथद्वारा में डॉ. सतीश पूनिया एवं अर्जुनराम मेघवाल ने भगवान श्रीनाथजी के दर्शन किए।

पूनिया ने हल्दीघाटी में जन आक्रोश सभा को संबोधित करते हुए कहा कि किसान कर्जा माफी, भ्रष्टाचार, बिगड़ी कानून-व्यवस्था, पेपर लीक प्रकरण, माफियाओं का बढ़ता आतंक इत्यादि तमाम जनहित के मुद्दे हैं, जिनसे कांग्रेस सरकार के कुशासन में पूरे प्रदेश की जनता पीड़ित है।

उन्होंने कहा कि वीरता एवं शौर्य की ऐतिहासिक भूमि मेवाड़ एवं हल्दीघाटी की इस पवित्र धरा से संकल्प लेते हैं कि 2023 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में प्रचंड बहुमत की भाजपा की सरकार बनाएंगे।

डॉ. पूनिया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2023 में भाजपा का सूरज उदय होगा, प्रचंड कमल खिलेगा, तीन चौथाई बहुमत के

- **अर्जुनराम मेघवाल ने की घोषणा, पांच करोड़ की लागत से हल्दीघाटी में बनेगा महाराणा प्रताप का संग्रहालय।**
- **कांग्रेस राज में बार-बार पेपर लीक से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा : दीया कुमारी।**

साथ राज्य में भाजपा की सरकार बनेगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार बनने पर हल्दीघाटी में चैत्री गुलाब की जो खेती होती है उसको बढ़ावा देने का कार्य भी किया जाएगा। जापान के प्रधानमंत्री को जब हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवद् गीता भेंट की जो भारत का पवित्र ग्रंथ है और उसी तरह हल्दीघाटी की पवित्र धरती हमारे लिए अमूल्य उपहार है, जिसका तिलक लगाकर हमने जनविरोधी कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया है और इस पत्रित धरती से इस मिशन का आगाज किया है। स्वाभिमानी धरती हल्दीघाटी की रज को यहां से लेकर जा रहा हूं जो प्रदेश के सभी 200 विधानसभा क्षेत्रों में लेकर जाएंगे और कार्यकर्ता इस मिट्टी का तिलक कर विजय संकल्प के साथ राजस्थान से हमेशा के लिए 2023 में कांग्रेस की सरकार को विदा करेंगे।

केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने कहा कि, कांग्रेस सरकार के कुशासन में हल्दीघाटी सहित सभी शौर्य स्थलों के विकास कार्यों की उपेक्षा की जा रही है। राज्य सरकार वीर महापुरुषों के स्मारकों एवं शौर्य स्थलों के संरक्षण एवं संवर्धन पर कोई ध्यान नहीं दे रही है।

हल्दीघाटी की इस वीर धरा से घोषणा करता हूं कि केंद्र के संस्कृति मंत्रालय की तरफ से पांच करोड़ की लागत से महाराणा प्रताप के बलिदान एवं शौर्य गाथाओं को लेकर संग्रहालय का निर्माण किया जाएगा, जिसमें रक्ततलाई, चेतक समाधि सहित महाराणा प्रताप की वीरता से जुड़े हल्दीघाटी के शौर्य स्थलों को विकसित किया जाएगा।

सांसद दीया कुमारी ने संबोधित करते हुए कहा कि कांग्रेस के कुशासन में बहन-बेटियां पूरे प्रदेश में असुरक्षित हैं, विकास कार्य पूरी तरह ठप पड़े हैं, किसानों एवं युवाओं के साथ वादा-खिलाफी हो रही है और बार-बार पेपर लीक से युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ हो रहा है।

इस दौरान प्रदेश महामंत्री एवं सांसद दीया कुमारी, सुशील कटारा, प्रदेश उपाध्यक्ष हेमराज मीणा, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सांसद सी.पी. जोशी, प्रदेश मंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, राजसमंद जिलाध्यक्ष मानसिंह बारहठ, उदयपुर देहात जिलाध्यक्ष चंद्रगुप्त चौहान के अलावा बड़ी संख्या में कार्यकर्ता एवं नेता मौजूद रहे।

गणेशधाम...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कुमार खटीक, अनुराधा खटीक पत्नी राकेश जोकि चौमू उपखण्ड के सामोद गांव के रहने वाले थे। वहीं बीरबल पुत्र लक्ष्मण गुर्जर, जानकी देवी पत्नी बीरबल सुन्दरपुरा तहसील दांतारामगढ़ के रहने वाले थे घटना की जानकारी मिलते मृतकों के घर पर चौमू विधायक रामलाल शर्मा भी पहुंचे एवं सांसद सुमेधानंद सरस्वती और पूर्व केंद्रीय मंत्री सुभाष महरिया हॉस्पिटल पहुंचे।

जानकारी के अनुसार पिक-अप में सवार 20 लोग खंडेला में गणेश धाम मंदिर दर्शन कर लौट रहे थे।

युगांडा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

जबकि बड़ी संख्या में लोग घायल हो गये। घायलों को आनन फानन में अस्पताल भेजा गया, लेकिन वहां पर चार अन्य को मृत घोषित कर दिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही आपातकर्मी मौके पर पहुंच गये और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। इस घटना के बारे में और जानकारी की प्रतिक्षा की जा रही है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादकः- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालयः-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालयः-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालयः-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालयः-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालयः एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908